बीएचईएल ने भारत के उच्चतम रेटिंग वाले कपलान हाइड्रो टरबाइन सहित रु. 3,200 करोड़ की जल विद्युत परियोजनाओं के आदेश प्राप्त किए

नई दिल्ली, 31 दिसंबर: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने आंध्र प्रदेश में हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के इलेक्ट्रो-मैकेनिकल (ई एंड एम) कार्य एवं तेलंगाना में लिफ्ट सिंचाई योजनाओं (LIS) के मोटर सेट के इलेक्ट्रो-मैकेनिकल (ई एंड एम) कार्य हेतु रु 3,200 करोड़ के महत्वपूर्ण आदेश प्राप्त किए हैं।

उल्लेखनीय है कि इस आदेश के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में 12x80 मेगावाट पोलावरम एचईपी के ई एंड एम कार्य में भारत के उच्चतम रेटिंग वाले कपलान हाइड्रो टरबाइन का विनिर्माण और आपूर्ति की जानी है। पोलावरम एचईपी आंध्र प्रदेश के ईस्ट गोदावरी जिले में स्थित है। इसे आंध्र प्रदेश पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एपीजेनको-APGENCO) द्वारा विकसित किया जा रहा है।

तेलंगाना में लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम (एलआईएस) परियोजनाओं के लिए पंप-मोटर सेट ऑर्डर में कलेश्वरम एलआईएस के 15 सेट (1,992 मेगावाट) और पलामुरु रंगारेड्डी एलआईएस (पैकेज 1 और 16) के 13 सेट (1,885 मेगावाट) सम्मिलित हैं। ये एलआईएस परियोजनाएं तेलंगाना सरकार के सिंचाई व सीएडी विभाग द्वारा विकसित की जा रही हैं। ध्यातव्य है कि, बीएचईएल तेलंगाना में पलामुरु रंगारेड्डी एलआईएस (पैकेज 5 और 8) के 18 पंप-मोटर सेटों के एक अन्य आदेश पर भी कार्य कर रही है।

बीएचईएल ने यह आदेश इस परियोजना के ईपीसी ठेकेदार मैसर्स मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) से प्राप्त किया है। इन परियोजनाओं में बीएचईएल के कार्यक्षेत्र में डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति तथा उपकरण व संबद्ध सहायक पुर्जों के इरेक्शन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग का पर्यवेक्षण कार्य सम्मिलित है। इन परियोजनाओं के लिए प्रमुख उपकरण बीएचईएल की भोपाल, झांसी, रुद्रपुर और बेंगलुरु इकाइयों में विनिर्मित किए जाएंगे तथा साइट पर इरेक्शन एवं कमीशनिंग (ई एंड सी) का पर्यवेक्षण बीएचईएल के पावर सेक्टर-दक्षिणी क्षेत्र प्रभाग, चेन्नई द्वारा किया जाएगा।

बीएचईएल आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के जलविद्युत क्षेत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण भागीदार रहा है। इन राज्यों के जलविद्युत क्षेत्र में बीएचईएल का योगदान क्रमशः 72% और 44% है।

इसके अतिरिक्त, बीएचईएल ने भारत में कुल स्थापित जलविद्युत क्षमता का 45% स्थापित किया है। बीएचईएल के 500 से अधिक जलविद्युत सेटों सहित वैश्विक स्तर पर 30,000 मेगावाट से अधिक संचयी क्षमता, इसके जलविद्युत क्षेत्र में नेतृत्व का प्रमाण है।